रक्त में विकसित एन्टीबॉडी (प्रतिरोधी तत्व) की जाँच कर शरीर में वायरस की उपस्थिति को जाना जाता है। कई परिस्थितियों में एच.आई.वी. वायरस के विरुद्ध एन्टीबॉडी बनने में 6 से 12 सप्ताह का समय लग सकता है। इस अवस्था को (विन्डो पीरियड) कहते हैं। उच्च जोखिम व्यवहार के बावजूद भी यदि कोई व्यक्ति जाँच में एच.आई.वी. मुक्त पाया जाता है तो उसे 6 से 12 सप्ताह के पश्चात् दोबारा एच.आई.वी संक्रमण की जाँच करवानी चाहिए ऐसे व्यक्तियों को सुरक्षित व्यवहार अपनाना चाहिए।

पॉज़िटिव रिपोर्ट क्या है?

- यदि व्यक्ति के रक्त नमूने की पहली जाँच में एच.आई.वी. के शरीर में होने का संकेत मिलता है तो परिणाम (रिज़ल्ट) देने से पहले उसी रक्त नमूने से दो अन्य जाँच किट्स से भी जाँचें की जाती हैं। पॉज़िटिव रिपोर्ट का अर्थ होता है कि व्यक्ति के रक्त में एच.आई.वी. वायरस के विरुद्ध प्रतिरोधी तत्व (एंटीबॉडी) पाये गये हैं।
- एच.आई.वी. पॉज़िटिव या एच.आई.वी संक्रमित होने का अर्थ यह नहीं होता कि उसे एड्स है। एच.आई.वी. संक्रमित व्यक्ति वर्षों तक बिना किसी रोग या बीमारी के लक्षण के स्वस्थ जीवन जीता है। यह जान लेने के बाद कि एच.आई.वी. वायरस व्यक्ति के शरीर में प्रवेश कर चुका है, वह अपने स्वास्थ्य की रक्षा हेतु आवश्यक कदम उठा सकता है। वह उचित देखभाल, खानपान, व्यायाम, चिकित्सीय परामर्श एवं मित्रों के सहयोग से लम्बे समय तक स्वस्थ जीवन जी सकता है। इसलिए एच.आई.वी. की स्थिति को जानने के लिए शीघ्र जाँच करवाना व्यक्ति के हित में है।
- एक बार शरीर में HIV संक्रमण की पुष्टि हो जावे तो तुरंत नजदीक के ART केन्द्र में पंजीयन कराकर व अन्य जाँचें चिकित्सक के परामर्श अनुसार करानी चाहिए।

यदि रिपोर्ट पॉज़िटिव आए तो क्या करें?

- निराश न हों, एच.आई.वी. के साथ भी लंबे समय तक स्वस्थ जीवन जिया जा सकता है।
- अपने परामर्शदाता से नज़दीक के ए.आर.टी. केन्द्र का पता पूछें व शीघ्र वहां अपना पंजीयन कराएं।
- अपने जीवन साथी/यौन साथी की भी एच.आई.वी. जाँच कराएं।
- गर्भवती माता की भी एच.आई.वी. जाँच नज़दीक के ICTC केन्द्र में कराएं।
- डॉक्टर की सलाह अनुसार अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखें।
- सबसे महत्वपूर्ण - बिना कंडोम के यौन संबंध हरगिज स्थापित न करें।

दूसरों की रक्षा करें –

कंडोम का उपयोग कर सुरक्षित यौन संबंधों के आधार पर ही स्वयं की व दूसरों की रक्षा कीजिए।

- एक दूसरे के साथ मिलकर सुई और सिरिंज के माध्यम से नशीली दवाओं का सेवन न करें।
- यदि एच.आई.वी. संक्रमित हों तो भूले से भी रक्त दान, वीर्य दान तथा अन्य शारीरिक अंगों का दान न करें।

अधिक जानकारी के लिए अपने ज़िले में स्थित एकीकृत परामर्श एवं जाँच केन्द्रों पर संपर्क करें।

MPSACS

मध्यप्रदेश राज्य एड्स नियंत्रण समिति

द्वितीय तल, तिलहन संघ भवन

1 अरेरा हिल्स, भोपाल म.प्र.

Email : mpsacs@gmail.com

www.mpsacsb.org

मध्यप्रदेश माध्यम/2013

MPSACS

ज़िंदगी की ओर क़दम बढ़ाएं

आई.सी.टी.सी.

एकीकृत परामर्श एवं जांच केन्द्र

जानकारी

सलाह

मुफ्त जाँच

याद रखें

स्वयं की सुरक्षा में ही
परिवार एवं समाज की सुरक्षा है।